Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Exhibition on Swadesi Products

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-01-2023**

शिक्षा

कुलपति बोले- स्वदेशी प्रेम के साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा आयोजन

हकेंवि में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी। संवाद

उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास के लिए नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी जन उपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी।

यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़े व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में जानकारी देते हुए जिला महेंद्रगढ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंचा पाना संभव हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

▪ कुलपति बोले- स्वदेशी प्रेम के साथ-साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़े व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं।

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं, जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंच पाना संभव हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-01-2023**

स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फार लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़ें व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं। जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में जानकारी देते हुए जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुँचा पाना संभव हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 25-01-2023**

केंद्रीय विश्वविद्यालय में लगी स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी

नारनौल में मंगलवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। निस

नारनौल, 24 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है।

इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी दी। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के मौके पर जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 25 January 2023 https://epaper.dainiktribur

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 25-01-2023**

Exhibition on indigenous products inaugurated at Central University of Haryana

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH A two-day exhibition of indigenous goods started at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh from Tuesday in collaboration with Zila Mahendergarh Khadi Gramodyog Karyakarta Sangh, Narnaul. The exhibition was inaugurated by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Exhibition organized by Centre for Innovation and Incubation, the Vice-Chancellor said that this exhibition of indigenous goods is an attempt to develop indigenous love among students, research scholars, teachers, non-teaching staff and realize the dream of a self-reliant India associated with it. He said that the various products available here are providing an opportunity to the students to develop new ideas for the development of new indigenous products and their marketable form. Prof. Tankeshwar Kumar said that remarkable efforts are being made in the University to realize the slogan of Vocal for Local and the vision of Atmnirbhar Bharat given by the Prime Minister Shri Narendra Modi.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

कुलपति बोले - स्वदेशी प्रेम के साथ-साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से 2 दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है।

उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास

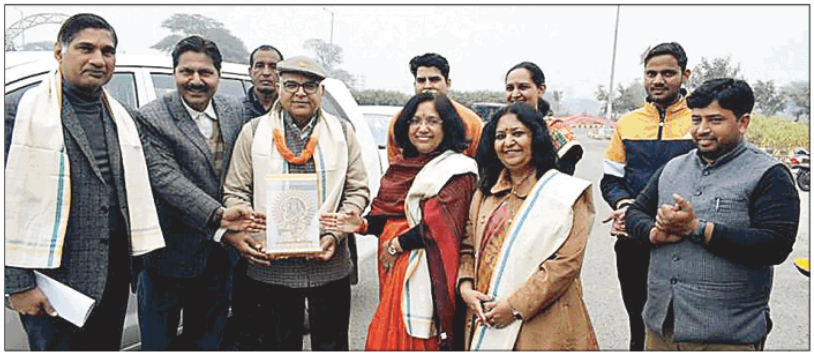

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी।

हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी।

उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़ें व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंचा पाना संभव हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव व इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-01-2023**

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की अहम भूमिका : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन हुआ। कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेडी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ साझा किए और बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

यहां बता दें कि हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगाकर 6 से 7 लाख लाख रुपये वार्षिक आमदनी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-01-2023**

हकेवि में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ समापन

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की दो दिवसीय प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेडी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ साझा किए और उन्हें बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगा कर 6 से 7 लाख लाख रुपए वार्षिक आमदनी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों,

शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने प्रदर्शनी आयोजन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी के आयोजन में इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-01-2023**

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 25 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की 2 दिवसीय प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेड़ी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ सांझा किए और उन्हें बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी में जैविक कृषि उत्पादों की जानकारी लेती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

यहां बता दें कि हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगाकर 6 से 7 लाख लाख रुपए वार्षिक आमदनी कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित 2 दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। जिला महेन्द्रगढ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने प्रदर्शनी आयोजन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

प्रदर्शनी के आयोजन में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।